Psychology Hons.

B.A. Part -1

Paper 2nd

Psychopathology. PAPER-II.

Mental Conflict. (मानसिक अन्तर्द्वन्द्व)

जीवन संघर्षों की शृंखला से मिलकर बना है यही कारण है कि फ्रायड ने स्वामी Polarities का आधार मूल और अन्तर्द्वन्द्व को ही माना है। संघर्ष के कारण ही व्यक्तित्व का विकास होता है यदि कोई संघर्ष नहीं हो तो उसमें ego या Super ego का विकास ही नहीं होगा न तो उसे Reality का ज्ञान होता है और न ही Moral ideals का, संघर्ष के माध्यम से ही व्यक्ति यह अच्छा है या बुरा है का अनुभव करता है।

Conflict के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए Psychologist ने उसे भिन्न प्रकार से define किया है।

Boring. के या Langfeld and Weld के अनुसार

"Conflict is a state of affairs in which two or more incompatible behaviour trends are evoked that cannot be satisfied at the same time.

इसी प्रकार मनोविश्लेषकों के अनुसार—

"conflict is a situation in which two wishes are so incompatiable that the fulfilment of one would preclude the fulfilment of the other." अन्तर्द्वन्द्व वह अवस्था है जब दो इच्छाएं इतनी विरोधी होती है कि एक दूसरे की तृप्ति में बाधा उत्पन्न करती है।

उपर्युक्त परिभाषाओं द्वारा conflict का अर्थ स्पष्ट हो जाता है कि व्यक्ति को conflict का सामना उस समय करना पड़ता है जब दो या दो से अधिक इच्छाएँ एक साथ प्रबल

②

~~रूप में उत्पन्न होती हैं जिन्हें एक समय पूरा~~

रूप में उत्पन्न होती हैं जिन्हें एक समय पूरा नहीं किया जा सकता है, इस स्थिति से उत्पन्न मानसिक मानसिक संघर्ष अन्तर्द्वन्द्व कहलाता है। conflict को एक उदाहरण द्वारा इस प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है एक बालक की शिक्षा पाने की प्रबल इच्छा थी वह बचपन से ऐसा चाहता था कि उसकी उच्च शिक्षा विदेश में मिले उसे विदेश जाने का अवसर भी प्राप्त हो जाता है कि अचानक उसकी माँ बिमार हो जाती है अब उसकी यह प्रबल इच्छा होती है। वह अब घर पर रहकर अपनी माँ की सेवा करे। ये दोनों इच्छाएँ इस प्रकार द्वन्द्व एक समय में एक ही इच्छा को सन्तुष्ट किया जा सकता है। इस विवशता के कारण उस बालक को conflict का सामना करना पड़ता है।

Scanned with CamScanner

③

Types of Conflict. संघर्ष के प्रकार

संघर्ष के मुख्य तीन प्रकार होते हैं जो निम्नलिखित हैं

(1) अभिगम - अभिगम संघर्ष - Approach - Approach conflict → इसमें दो इच्छाएं होती हैं व्यक्ति को दोनों ही इच्छाएं अपनी ओर आकृष्ट करती हैं क्योंकि दोनों इच्छाएं समान रूप से बलवती होती हैं। अतः व्यक्ति दोनों को स्वीकार करता है और उन्हें पूरा करना चाहता है। संघर्ष इस कारण उत्पन्न होता है कि दोनों इच्छाएं एक साथ पूरी नहीं की जा सकती हैं। यदि एक को पूरा किया जाए तो दूसरी असंतुष्ट रह जाती है। इस प्रकार का संघर्ष divergent होता है। क्योंकि व्यक्ति एक ही साथ समय दो विपरीत लक्ष्य की इच्छाओं की पूर्ति करना चाहता है। जैसे- कोई व्यक्ति कमीज भी बनवाना चाहता है और पैंट भी, परन्तु उसके साथ पैसा एक ही के लिए है।

(2) परिहार - परिहार संघर्ष - Avoidance - Avoidance conflict → इस तरह का संघर्ष उस समय उत्पन्न होता है जब व्यक्ति को समक्ष दो ऐसे लक्ष्य होते हैं और व्यक्ति दोनों से ही बचना चाहता है अर्थात् परिस्थिति से बाध्य होकर उसे दोनों में से एक को चुनना पड़ता है जिसके अपनाने में कम नुकसान होता है। व्यक्ति उसे ही अपना लेता है दूसरे को छोड़ देता है। जैसे - एक व्यक्ति काम करना भी नहीं चाहता है और कामचोर भी कहलाना नहीं चाहता है। इसी प्रकार, एक छात्र मेहनत से पढ़ना भी नहीं चाहता है और परीक्षा में फेल भी नहीं होना चाहता है। ऐसा संघर्ष बहुत भयानक होता है। व्यक्ति ऐसे संघर्ष से छुटकारा पाने के लिए कभी-कभी बीमार भी पड़ जाता है। यदि उद्देश्य का आकर्षक नहीं है तो व्यक्ति संघर्ष से छुटकारा पाने के लिए उसमें से एक को पूरा कर देता है और संघर्ष से बच जाता है।

Scanned with CamScanner

(4)

(3) अभिगमन-परिहार संघर्ष (Approach Avoidance conflict) -

इस प्रकार का संघर्ष व्यक्ति के समक्ष उस समय प्रस्तुत होता है जिसकी वह पूर्ति करना चाहता है और उसी समय उससे दूर भी भागना चाहता है। इस तरह व्यक्ति में विरोधात्मक भाव उत्पन्न हो जाता है उद्देश्य की पूर्ति करना तथा छोड़ना। जैसे - एक व्यक्ति नयी कार देखकर उसे खरीदना भी चाहता है और उसका मूल्य सुनकर नहीं भी खरीदना चाहता है यदि मूल्य में कमी कर दी जाए तो वह कार खरीद भी सकता है और संघर्ष से छुटकारा भी पा सकता है। एक खिलाड़ी फुटबाल भी खेलना चाहता और चोट से भी बचना चाहता है। इस प्रकार के संघर्ष में भी ambivalence पाया जाता है।